Total Pages : 4 [PPU-D-II-(COMP.)-HIN/100M (SC./COMM./VOC./GEN)]

Degree (Part-II) Examination, 2024

(Composition)

HINDI

For Sc.: 710102

For Comm.: 730102

Paper Code : For Voc.: 740102

For Gen.: 700102

Time : Three Hours] **[Maximum Marks : 100**

PPULearn

निर्देश : परीक्षार्थी यथासम्भव अपने शब्दों में ही उत्तर दें। उपांत के अंक पूर्णांक के द्योतक है।सभी प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।

---

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [2×20=40]

(क) 'आजादी के भारतीय विज्ञान' की प्रमुख विशेषताएँ एवं प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त कीजिए।

DOWNLOADED FROM PPULearn.com

(ख) निबन्ध कला की दृष्टि से 'दक्षिण गंगा गोदावरी' की समीक्षा कीजिए।

(ग) 'सप्तसागर महादान' का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'हमारा सांस्कृतिक पतन' निबन्ध में लेखक के विचार प्रस्तुत कीजिए।

(ङ) 'दक्षिण गंगा गोदावरी' शीर्षक निबंध का सारांश प्रस्तुत कीजिए।

(च) 'यज्ञ' शीर्षक निबंध के निबंधकार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

(छ) अंतरिक्ष में भारत के बढ़ते कदम पर गुणाकर मुले के विचारों को प्रस्तुत कीजिए।

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: [2×10=20]

(क) निष्काम सेवा परोपकार नहीं, अपना उपकार है। जैसे कर्ज अदा करना परोपकार नहीं बल्कि निज की सेवा है, अपना उपकार है।

(ख) शुद्ध जीवन व्यतीत की इच्छा रखने वाले समस्त कार्य यज्ञ रूप के अन्तर्गत आते हैं। हम यज्ञ को साथ लेकर पैदा हुए हैं- अर्थात सदा यज्ञ के ऋणी रहेंगे। मैंने तो सभी धर्मों में यही आदेश पाया है कि अपनी चिन्ता ही नहीं करनी-सब परमेश्वर के भरोसे छोड़ देना यही यज्ञ है।

DOWNLOADED FROM PPULearn.com